University in News on 10 January 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा 14 को

लविवि : 40 अंकों की होगी लिखित परीक्षा, पूछे जाएंगे बहुविकल्पीय प्रश्न

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में छह विभागों में असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती के लिए 14 जनवरी को लिखित परीक्षा कराई जाएगी। सभी विभागों में आए आवेदनों को शॉर्ट लिस्ट कर लिया गया है। परीक्षा विश्वविद्यालय के जानकीपुरम स्थित नवीन परिसर में होगी। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय की ओर से विवि की वेबसाइट पर दिशा-निर्देश अपलोड कर दिए गए हैं।

परीक्षा कहां और कैसे होगी, इस बारे में अभ्यर्थी को प्रवेश पत्र के माध्यम से सूचित किया जाएगा। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक, शिक्षक भर्ती के लिए लिखित परीक्षा 40 अंकों की होगी। इसमें बहु विकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे, सभी प्रश्न एक-एक अंक के होंगे। विश्वविद्यालय ने 17 नवंबर को अधिसूचना जारी करते हुए विभिन्न विभागों में 128 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था।

आवेदन की अंतिम तिथि सात दिसंबर थी। हाल ही में कुछ विभागों में भर्ती प्रक्रिया पूरी करते हुए 17 शिक्षकों की नियुक्ति पर मुहर लगाई गई थी। अब जिन विभागों के लिए लिखित परीक्षा होनी है उसमें योगा, फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री, जूलॉजी, फिजिकल एजुकेशन, पत्रकारिता एवं मैनेजमेंट शामिल हैं।

मोबाइल लाने पर होगा प्रतिबंध

परीक्षा के दौरान अभ्यर्थी को मोबाइल, कैलकुलेटर व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लाना प्रतिबंधित होगा। लिखित परीक्षा में ओएमआर शीट को नीले, काले बॉल प्वाइंट पेन से भरना होगा। अभ्यर्थी व्हाइटनर का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। परीक्षा के 48 घंटे पहले अभ्यर्थी लॉगिन आईडी के माध्यम से विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

13 कोर्सों के परीक्षा कार्यक्रम बदले

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने अयोध्या में श्री राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के चलते उस दिन विवि एवं महाविद्यालयों में होने वाली सभी परीक्षाओं को स्थगित कर दिया है। ऐसे में 13 पाठ्यक्रमों के परीक्षा शेड्यूल में बदलाव किया गया है। संशोधित परीक्षा कार्यक्रम विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन और रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की भव्य तैयारी के चलते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश घोषित कर दिया है। इसके मद्देनजर लविवि में 22 जनवरी की सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। इस दिन विवि में बड़े पैमाने पर कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।

22 जनवरी को परीक्षा स्थगन के चलते हुआ बदलाव

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एमए जनसंख्या अध्ययन, समाज कार्य, फ्रेंच, एमए या एमएससी मानवशास्त्र व फॉरेंसिक साइंस, मैथ्स, एमएससी रिन्यूबल एनर्जी, फूड प्रोसेसिंग एंड फूड टेक्नोलॉजी, एमटीटीएम और बीपीए व एमपीए पाठ्यक्रम का परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। इसके अलावा बीए ऑनर्स समाज कार्य व अंग्रेजी और पीजी डिप्लोमा इन डिजास्टर रिलीफ एंड रिहैबिलिटेशन पाठ्यक्रम के परीक्षा शेड्यूल में भी बदलाव किया गया है। परीक्षार्थी विवि की वेबसाइट पर एग्जामिनेशन कॉलम में जाकर शेड्यूल सेक्शन में विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम देख सकते हैं। (संवाद)

पंकज और अर्चना बने म्यूजिकल चेयर विजेता

लखनऊ। लविवि के चंद्रशेखर आजाद महिला छात्रावास में मंगलवार को कर्मचारियों के बीच खेल प्रतियोगिता हुई। मुख्य अतिथि चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह, प्रोवोस्ट डॉ. अल्का मिश्रा, सहायक प्रोवोस्ट डॉ. शशि बाला और हॉस्टल अभिरक्षिका कुमकुम सिंह उपस्थित रहे। प्रोवोस्ट डॉ. अल्का मिश्रा ने बताया कि म्यूजिकल चेयर के विजेता पंकज और अर्चना रहे। लेमन रेस में महिला कर्मचारियों में अर्चना प्रथम, गुड्डी द्वितीय रीता तृतीय स्थान पर रहे। पुरुषों में पंकज प्रथम, नीरज द्वितीय तथा विनोद तृतीय स्थान पर रहे। रस्साकसी में टीम बी के प्रतिभागी विनोद, पंकज, पीतांबर, कुसुम,रीता, गुड्डू विजेता रहे। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। (संवाद)

प्रतिमा की सफाई के लिए सौंपा ज्ञापन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय से विवि में स्थित स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा की सफाई कराने की मांग की। साथ ही प्रतिमा की सुरक्षा व्यवस्था की मांग उठाते हुए अभिरक्षक नियुक्त करने का ज्ञापन सौंपा। विवि में सोमवार को डॉ. लोहिया की प्रतिमा तोड़े जाने की बात सामने आई थी। कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन में प्रतिमा स्थल का नाम 'विवेकानंद वाटिका' करने का प्रस्ताव दिया। इस मौके पर इकाई अध्यक्ष जयव्रत राय, भूपेंद्र सिंह, विकास तिवारी, आलोक त्रिपाठी, प्रज्ञा शर्मा, वैभव जोशी, प्रखर दुबे, लक्ष्य दुबे, हिमांशु सिंह, इयांश सिंह, शुभम पटेल, संजय कुमार आदि मौजूद रहे। (संवाद)

नियमितता से मिलती शोध में सफलता

लखनऊ। लविवि के रसायन विज्ञान विभाग में मंगलवार को पीएचडी शोधार्थियों व संकाय के शिक्षकों के बीच परिचय सत्र का आयोजन किया गया। विभाग के कार्यवाहक प्रमुख प्रोफेसर वीके शर्मा ने कहा कि शोध के क्षेत्र में सफलता की कुंजी समय की पाबंदी और नियमितता है। साहित्य सर्वेक्षण की भूमिका, अनुसंधान में नैतिकता और साहित्यिक चोरी से बचने पर जोर दिया। उन्होंने सभी शोधार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। (संवाद)

अनुसंधान को परिभाषित करना जरूरी

लखनऊ। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग के अध्यक्ष प्रो. सौरभ मंगलवार को लविवि परिसर पहुंचे। विवि के अर्थशास्त्र विभाग की ओर से आयोजित अनुसंधान के लिए विचार के पथ को परिभाषित करना विषय पर कार्यक्रम हुआ। प्रो. सौरभ ने शोध प्रश्न और समस्या कथन को पहचानने और बताने के लिए एक रचनात्मक तकनीक को साझा किया। (संवाद)

NBT PAGE 5

LU : रिवाइज्ड विषयों की स्कीम जारी

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय ने मंगलवार को एमए, एमवीए, एमएससी समेत कई विषयों की रिवाइज्ड व सामान्य स्कीम जारी की है। एलयू के कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन ने 22 विषयों की रिवाइज्ड व सामान्य स्कीम वेवसाइट पर डाल दी है। स्टूडेंट्स www.lkouniv.ac.in पर जाकर पूरी जानकारी हासिल कर सकते हैं।

LU: 250 स्टूडेंट्स को दिए गए टैबलट

■ एनबीटी सं., लखनऊः एलयू के एपी सेन सभागार में भारत सरकार की डिजी शक्ति योजना के तहत टैवलट वितरण कार्यक्रम हुआ। इसमें एमवीए और आईएमएस के 250 छात्रों को टैवलट दिए जाने का दावा किया गया। इस दौरान प्रति कुलपति प्रो. अरविंद अवस्थी, कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू, आईएमएस निदेशक प्रो. विनीता काचर, डिजी शक्ति के नोडल अधिकारी प्रो. आरवी सिंह और डिप्टी नोडल डॉ. जीशान अहमद उपस्थित रहे।

विश्व हिंदी दिवस आज | अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस पर लविवि के विदेशी विद्यार्थियों ने जाहिर किए मन के उद्गार

परदेस से आए विद्यार्थियों को यहां आकर हुआ हिंदी से प्यार

सचिन त्रिपाठी

लखनऊ। सात समंदर पार किसी ने हिंदी के बारे में सुना, तो किसी का परिचय यहां आने के बाद हुआ। जिस किसी ने हिंदी के बारे में जाना, बोला और संवाद किया, इसका मुरीद होकर रह गया। बात हो रही है लखनऊ विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में पढ़ने वाले विदेशी विद्यार्थियों की।

10 जनवरी को अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर अमर उजाला ने उनसे बातचीत की तो कुछ यही भाव नजर आए। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और इंटरनेशनल स्टूडेंट एडवाइजर प्रो. आरवी सिंह ने इन विद्यार्थियों के साथ ही सभी को विश्व हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं। पेश है एक रिपोर्ट :

रूस से आकर सीखी हिंदी

मैंने भारत सरकार के कार्यक्रम के माध्यम से आगरा के केंद्रीय हिंदी संस्थान में हिंदी सीखी। मैं रूस जाकर वापस भारत पढ़ाई करने आ गई। अब मैं लखनऊ विवि से पीएचडी कर रही हूं। हिंदी एक ऐसी भाषा है, जिससे आप अपनी बात को बड़ी ही आसानी से किसी को समझा सकते हैं। – एलेना स्टोयाकिना, रूस

चीन से है एक खास रिश्ता

चीन और भारत के बीच दो हजार साल पहले आदान-प्रदान शुरू हो गया था। चीनी ऐपरमेंटिंग, ऐलग, चीनी मिट्टी के बर्तन भारत में आए तो वहीं भारत के भारतीय गणन और नृत्य, वानोल विज्ञान, वास्तुकला और मसाले चीन आ गए। हिंदी इसका बड़ा आधार बनेगी। – के यूलीं, चीन

हिंदी सीखना बेहद खास

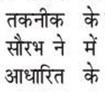

मेरा हिंदी सीखने का अनुभव बेहद खास है। इस भाषा में मैंने काफी सारी चीजें पढ़ीं और बहुत अच्छे लोगों से मिली। इस भाषा को सीखना एक कभी न खत्म होने वाली प्रक्रिया है। इसलिए हिंदी दिवस मनाना और उत्सव का हिस्सा हो जाना एक बड़ा सम्मान है और महत्वपूर्ण बात है मेरे लिए। –मारिया लिविनोवा, रूस

भारत की पहचान है हिंदी

भारत सांस्कृतिक विविधताओं के साथ भाषाई रूप से भी शुरू से ही समृद्ध रहा है। वैश्विक स्तर पर भारत की विशिष्ट पहचान बनाने में हिंदी का बड़ा योगदान रहा है। हिंदी भारत की पहचान व गौरव का प्रतीक है। उसी हिंदी का अध्ययन करने का सुअवसर मुझे मिला है। इसका मुझे गर्व है। – कंचना डी. अल्विस, श्रीलंका

हिंदी बने विश्व भाषा

इसलिए मैंने यह भाषा सीखी। अब मैं हिंदी भाषा ही नहीं, बल्कि साहित्य और संस्कृति का भी बहुत बड़ा प्रेमी हूं। हिंदी-शिक्षक के रूप में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए काम कर रहा हूं। हिंदी को विश्व भाषा बनना चाहिए। – आनंद अबेसुंदर, श्रीलंका

विदेशी छात्र भी दे रहे योगदान

विश्वभर की भाषाओं का इलाहास रखने वाली संस्था एशियाटिक के अनुसार, हिंदी दुनियाभर में सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा है। 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है। विदेशी छात्र लखनऊ विवि आकर न सिर्फ हिंदी बोल रहे हैं बल्कि इसके प्रसार में योगदान दे रहे हैं। – प्रो. आश्र, चाली

हिंदी की बहन है सिंहली

हिंदी मधुर स्वर के लिए विश्व-विख्यात है। संस्कृत भी की कोख से जन्मी हिंदी को भी बेहद लगाव के साथ इसलिए जल्दी सीख पाती हूं क्योंकि मेरे देश, श्रीलंका की मातृभाषा सिंहली भी उसी संस्कृत भाषा की कोख से ही जन्मी है। इस लिहाज से यह हिंदी की बहन हुई। – कलशेम पनागांडु, श्रीलंका

मॉरीशस-भारत को जोड़ा

हिंदी ने केवल भाषा है, बल्कि यह एक जीवंत सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। यह भारत और मॉरीशस को एक साथ जोड़ती है। हम यहां से लेकर भारत तक इस अद्वितीय संबंध को और मजबूती से निभा सकते हैं। इससे भारत और मॉरीशस के बीच एकता को स्थापित करें। – नंदिनी जुमक, मॉरीशस

PIONEER PAGE 3

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को भव्य तरीके से मनायेगा लविवि

- 22 जनवरी को प्रस्तावित सभी परीक्षा कार्यक्रमों में संशोधन
- कालेजों को निर्देश जारी कर कार्यक्रम आयोजित करने के दिये निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एक तरफ 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का लखनऊ विश्वविद्यालय साक्षी बनने जा रहा है तो वहीं दूसरे तरफ इस मौके को यादगार बनाने की भी तैयारी है। यह यादगार न सिर्फ विवि के लिए बल्कि आसपास के कालेजों के लिए भी होगा। इसके लिए सभी कालेजों को निर्देश जारी कर दिया गया है। इसके अलावा 22 जनवरी को प्रस्तावित परीक्षाओं के कार्यक्रम में संशोधन कर नया परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। मंगलवार को अयोध्या दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के [illegible] की तरफ से 22 जनवरी को प्रस्तावित परीक्षाओं के कार्यक्रम में संशोधन कर नया परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। मंगलवार को अयोध्या दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के [illegible] अयोध्याधाम में बहुप्रतीक्षित श्रीरामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह से आम जनमानस के भावनात्मक जुड़ाव को देखते हुए 22 जनवरी को प्रदेश में शिक्षण संस्थाओं में अवकाश घोषित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस विशिष्ट अवसर को 'राष्ट्रीय उत्सव' की संज्ञा दी है। ऐसे में सरकार की तरफ से प्राण प्रतिष्ठा समारोह को राष्ट्रीय उत्सव के रूप में मनाने के निर्देश के क्रम में विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अधिकारियों संग एक बैठक कर इसे यादगार बनाने की योजना पर चर्चा की। बैठक में यह भी तय हुआ कि इसमें कालेजों को भी शामिल किया जाए। सो राज्य के स्थित सभी कालेजों आयोजित करने को कहा गया है। हालांकि कार्यक्रम की रूपरेखा को लेकर विवि की तरफ से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गयी है लेकिन यह माना जा रहा है कि समारोह को भव्य बनाने की तैयारी है।

प्राच्य संस्कृत विभाग के शिक्षक शामिल होंगे प्राण प्रतिष्ठा समारोह में

विश्वविद्यालय के प्राच्य संस्कृत विभाग के शिक्षक महाचार्य प्रोफेसर डॉ. श्यामदेव तिवारी आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में प्रस्तावित श्रीराम लल्ला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे। इसके लिए उन्हें श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने पत्र भेज कर इस [illegible]

HINDUSTAN PAGE 8

22 जनवरी की सभी परीक्षाएं स्थगित

एलयू

लखनऊ, संवाददाता। अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन और रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की भव्य तैयारी के मद्देनजर लखनऊ विश्वविद्यालय ने 22 जनवरी की सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। साथ ही कई बड़े कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।

एलयू में जारी विषम सेमेस्टर परीक्षा-2023 के तहत कई पाठ्यक्रमों के परीक्षा कार्यक्रम में बड़ा बदलाव किया गया है। अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन को ध्यान में रखते हुए एलयू ने कई बड़े कार्यक्रमों के आयोजन करने का भी फैसला किया गया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इस संबंध में एलयू से संबद्ध महाविद्यालयों से भी अनुरोध किया जा रहा है कि इस ऐतिहासिक अवसर से संबंधित कार्यक्रम वह अपने कॉलेज में भी आयोजित करें। 22 जनवरी को एलयू और उससे संबद्ध कॉलेजों में होने वाली परीक्षाओं को स्थगित करके संशोधित परीक्षा कार्यक्रम भी जारी कर दिया गया है।

13 पाठ्यक्रमों का बदला गया परीक्षा कार्यक्रम

एलयू में 22 जनवरी को परीक्षाएं स्थगित करने से स्नातक, परास्नातक व डिप्लोमा के 13 पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम बदल गया है। जिसका संशोधित कार्यक्रम विवि के परीक्षा विभाग की ओर से जारी किया गया है। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि एमए जनसंख्या अध्ययन, समाज कार्य, फ्रेंच, एमए या एमएससी मानवशास्त्र व फॉरेंसिक साइंस, मैथ्स, एमएससी रिन्यूबल एनर्जी, फूड प्रोसेसिंग एंड फूड टेक्नोलॉजी, एमटीटीएम और बीपीए व एमपीए पाठ्यक्रम का परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। इसके अलावा बीए ऑनर्स समाज कार्य व अंग्रेजी और पीजी डिप्लोमा डिजास्टर रिलीफ एंड रिहैबिलिटेशन पाठ्यक्रम के परीक्षा शेड्यूल में भी बदलाव किया गया है।

एलयू में कर्मचारियों की खेल प्रतियोगिता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के चंद्रशेखर आजाद महिला छात्रावास में कर्मचारियों के बीच कई प्रकार के खेलों का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह उपस्थित रहे। प्रोवोस्ट डॉ.अल्का मिश्रा, सहायक प्रोवोस्ट डॉ.शशि बाला और हॉस्टल अभिरक्षिका कुमकुम सिंह मौजूद रही। खेलों का आयोजन तथा संचालन छात्रावास की अंतःवासियों द्वारा किया गया। म्यूजिकल चेयर के विजेता पंकज और अर्चना रहे। लेमन रेस में महिला कर्मचारियों में अर्चना प्रथम, गुड्डी द्वितीय और रीता तृतीय स्थान पर रहे। पुरुष कर्मचारियों में पंकज प्रथम, नीरज द्वितीय तथा विनोद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रस्साकसी में टीम बी के प्रतिभागी विनोद, पंकज,पीतांबर, कुसुम, रीता, गुड्डू विजेता रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी विजयी कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

एलयू में 250 छात्र-छात्राओं को टैबलेट मिला

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के एपी सेन सभागार में भारत सरकार की डिजीशक्ति योजना के तहत टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें एमवीए और आईएमएस के 250 छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक टैबलेट प्रदान करने का दावा किया गया है। प्रति कुलपति प्रोफेसर अरविंद अवस्थी, कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर संगीता साहू, आईएमएस की निदेशक प्रोफेसर विनीता काचर समेत अन्य मौजूद रहे।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

छात्रों को जिज्ञासा के साथ शोध करने के लिए किया प्रोत्साहित

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के संरक्षण में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु के वाणिज्य संकाय के अधिष्ठाता और प्रबंधन विभाग के अध्यक्ष प्रो.सौरभ ने लविवि के वाणिज्य संकाय के व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग में अनुसंधान के लिए विचार और उपयुक्त पथ को परिभाषित करना विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। व्याख्यान में व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग के शिक्षक प्रो.रचना मुज्जो(अधिष्ठाता, वाणिज्य संकाय), प्रो.अर्चना सिंह (विभागाध्यक्ष), प्रो.मधुरिमा लाल, प्रो.आर.के. माहेश्वरी, प्रो. विमल जयसवाल, प्रो.अनूप कुमार सिंह, डॉ.जय लक्ष्मी, डॉ.नागेंद्र मौर्य, डॉ.करुणा शंकर, डॉ.दीपक वर्मा उपस्थित रहे। इस संवादात्मक सत्र में प्रो.सौरभ ने शोध पद्धति के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और शोध प्रश्न और समस्या कथन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने शोध प्रश्न और समस्या कथन को पहचानने और बताने के लिए एक रचनात्मक तकनीक प्रदान किया। व्याख्यान के बाद एक जीवंत प्रश्न-उत्तर सत्र भी हुआ जिसमें प्रो.सौरभ ने प्रतिभागियों के प्रश्नों और शंकाओं का समाधान किया। व्याख्यान को दर्शकों द्वारा बहुत सराहा गया और सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

सिद्धार्थ विवि के प्रो.सौरभ ने लविवि में दिया व्याख्यान

छात्र-छात्राओं ने खेलों में दिखाई प्रतिभा

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। विश्वविद्यालय के चंद्रशेखर आजाद महिला छात्रावास में कर्मचारियों के बीच विभिन्न खेल का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर चीफ प्रोवोस्ट प्रो.अनूप कुमार सिंह उपस्थित रहे। प्रोवोस्ट डॉ.अल्का मिश्रा, सहायक प्रोवोस्ट डॉ.शशि बाला और हॉस्टल अभिरक्षिका कुमकुम सिंह मौजूद रही। खेलों का आयोजन तथा संचालन छात्रावास की अंतःवासियों द्वारा किया गया। म्यूजिकल चेयर के विजेता पंकज और अर्चना रहे। लेमन रेस में महिला कर्मचारियों में अर्चना प्रथम, गुड्डी द्वितीय और रीता तृतीय स्थान पर रहे। पुरुष कर्मचारियों में पंकज प्रथम, नीरज द्वितीय तथा विनोद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रस्साकसी में टीम बी के प्रतिभागी विनोद, पंकज,पीतांबर, कुसुम, रीता, गुड्डू विजेता रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी विजयी कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

DAINIK JAGRAN PAGE 1

लखनऊ विश्वविद्यालय की परीक्षाएं स्थगित

- प्राण प्रतिष्ठा की वजह से परीक्षा कार्यक्रम में किया गया बदलाव

जासं, लखनऊः अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले श्रीराम मंदिर के उद्घाटन और प्राण प्रतिष्ठा के दौरान लखनऊ विश्वविद्यालय व संबद्ध कालेजों में भी कार्यक्रम होंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय ने 22 जनवरी को होने वाली 23 विषयों की परीक्षाएं स्थगित करते हुए संशोधित कार्यक्रम जारी किया है।

कार्यक्रम वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/en पर उपलब्ध है। जिन विषयों की तिथि संशोधित की गई है उनमें एम.एससी. फूड प्रासेसिंग, बी.पी.ए, एम.पी.ए, एम.ए फिलासफी, एम.ए. फ्रेंच, पीजी डिप्लोमा डिजास्टर रिलीफ एंड रिहैबिलिटेशन, एम.एससी. रिन्यूएबल एनर्जी, एम.बी.ए. फाइनेंस एंड अकाउंटिंग, एम.ए./एम.एससी. एंथ्रोपोलाजी एवं फोरेंसिक साइंस, बी.ए. आनर्स अंग्रेजी, एम.ए., एम.एससी. गणित, एमटीटीएम, बी.ए. आनर्स एआइएच, बी.वाक., बी.यू.एम.एस, एम.ए. सोशियोलाजी, मास्टर आफ पब्लिक हेल्थ, बी.ए. एनईपी, एम.एससी. फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री, एम.एससी. फिजिक्स, एम.एससी. बायोकेमिस्ट्री, एम.ए. हिंदी व एम.ए. लिंग्विस्टिक शामिल हैं।

टैबलेट पाकर छात्रों के चेहरे खिले

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। विश्वविद्यालय के एपी सेन सभागार में भारत सरकार की डिजी शक्ति योजना के तहत एमवीए और

एलयू में टैबलेट वितरण कार्यक्रम

आईएमएस के 250 छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक टैबलेट प्रदान किये गए। कार्यक्रम में लविवि के प्रति कुलपति प्रो. अरविंद अवस्थी सहित कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.संगीता साहू,आईएमएस के निदेशक प्रो.विनीता काचर एवं डिजी शक्ति के नोडल अधिकारी प्रो.आरवी सिंह और डिप्टी नोडल डॉ. जीशान अहमद उपस्थित रहे। प्रति कुलपति प्रो.अरविंद अवस्थी ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि लविवि भारत की युवा पीढ़ी और खासकर छात्रों तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया की सुविधाएं को पहुंचाने में हमेशा तत्पर रहा है।

JAGRAN CITY PAGE I

हिंदी में पढ़ाई, शोध से करियर बना रहे विदेशी विद्यार्थी

विश्व हिंदी दिवस आज

जासं, लखनऊ : हिंदी सीखने की ललक विदेशी विद्यार्थियों में भी बढ़ रही है। हिंदी फिल्म और मोटिया के माध्यम से जुड़ कर विदेशी युवक और युवतियां हिंदी सीखने और पढ़ने के लिए भारत में आ रहे हैं। यह हिंदी के वैश्विक भाषा बनने की ओर एक कदम है। श्रीलंका, रूस, माली, तजाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश के विद्यार्थी लखनऊ विश्वविद्यालय में हिंदी सीख रहे हैं। विश्व हिंदी दिवस पर दैनिक जागरण ने लविवि में पढ़ने वाले कुछ विदेशी विद्यार्थियों से बातचीत की। ज्यादातर विदेशी विद्यार्थियों का कहना है कि हिंदी में रोजगार और बाजार है, उनके देश में हिंदी को लेकर क्रेज है।

हिंदी में पीएचडी कर रहीं श्रीलंका की केडी एल्विस ने कहा कि मुझे गर्व है कि मैं हिंदी जानती हूं। बहुत भाग्यशाली हूं, भारत की सबसे बड़ी भाषा को पढ़ने के बाद उस विषय को आगे चलकर पढ़ाने का भी मौका मिलेगा। हिंदी जिस सरलता से हम बोलते हैं, उससे लगता है कि यह विश्व की भाषा है।

श्रीलंका के ही हिंदी के शोधार्थी एचजी आनंद अबेसुंदरा ने कहा कि मुझे शुरू से ही हिंदी से लगाव रहा। फिर मैंने हिंदी भाषा को सीखा। आज मैं हिंदी शिक्षक के रूप में हिंदी के प्रचार-प्रसार कर रहा हूं। श्रीलंका में बहुत से लोग आजकल हिंदी सीखते हैं। मेरी इच्छा है कि हिंदी विश्व भाषा बने।

तजाकिस्तान के निवासी व एमए अंग्रेजी की छात्रा खुशोयर्वा जमीरा ने कहा कि मैं विश्वविद्यालय में अंग्रेजी पढ़ रही हूं, इसके साथ हिंदी भी सीख रही हूं। हिंदी बोलना अच्छा लगता है। मेरे देश में बहुत से लोग हैं जो हिंदी बोलते हैं। कई लोग हिंदी गाने परसंद करते हैं, इसलिए भी हिंदी सीखना चाहते हैं। अंग्रेजी के साथ हिंदी सीखने से मेरे देश में करियर के अवसर और भी बढ़ेंगे।

माली निवासी व बीकाम के छात्र मोहम्मद डिको ने कहा कि बचपन से हिंदी फिल्में देखता था, वहां से हिंदी जानने की इच्छा हुई। हिंदी फिल्म और उसके गाने मुझे बहुत आकर्षित करते थे। यहीं से हिंदी सीखने की इच्छा हुई, आज जब मैं हिंदी बोलता हूं तो अंदर से एक खुशी महसूस होती है। इस भाषा को सीखने से मुझे अपने करियर में भी लाभ मिलेगा।

एमए हिंदी की छात्रा श्रीलंका की मयूरी अनुराधा ने कहा कि श्रीलंका में हम सिंहली भाषा-भाषी होने के बावजूद भी हिंदी को आसानी से लिख और बोल सकते हैं। इसका कारण है कि हमारे यहां के स्कूलों और विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है। हिंदी बहुत ही आसान भाषा है, इसे सभी लोग आसानी से समझ लेते हैं।

केडी एल्विस, पीएचडी, श्रीलंका

एचजी आनंद अबेसुंदरा, हिंदी में शोधार्थी, श्रीलंका

मयूरी अनुराधा, एम.ए., हिंदी, श्रीलंका

- श्रीलंका की केडी एल्विस व एचजी आनंद कर रहे हिंदी में शोध, माली, के विद्यार्थी भी सीख रहे हैं हिंदी

मोहम्मद डिको, बीकाम, माली

खुशोयर्वा, एमए अंग्रेजी, तजाकिस्तान

विदेश में भी फहराई हिंदी की पताका

सुरेश चंद्र शुक्ल

हिंदी सिर्फ भारत में ही न फले-फूले, विदेश में भी इस भाषा के अनुरागी हो, इसके लिए कई साहित्यकार दूसरे देशों में भी साहित्य सृजन करने में लगे हैं। इन्हीं में से एक हैं सुरेश चंद्र शुक्ल। वह नार्वे में हिंदी साहित्य का दीप प्रज्ज्वलित कर रहे हैं।

लखनऊ निवासी किशोरी देवी व डा. बृजमोहन लाल शुक्ल के छोटे पुत्र सुरेश चंद्र शुक्ल ने रंदना, रजनी, नंगे पांवों का सच, दीप जो बुझते नहीं जैसी दर्जनभर से अधिक कृतियां वहीं रचना विदेश में रहकर की है। वह 26 जनवरी 1980 से नार्वे में रहते हैं और निरंतर हिंदी साहित्य का संपर्जन कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में शिकारी पक्षियों की मिलीं 34 प्रजातियां

सूकलेया वन्य जीव अभयारण्य में रेप्टर्स का सर्वे करती लविवि के जंतु विज्ञान विभाग के शोधार्थी

सूकलेया वन्य जीव अभयारण्य में मिले हिमालयन ग्रिफिन गिद्ध ● लौकड्या से लवि

जासं, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में 34 प्रकार के शिकारी पक्षियों (रैप्टर्स) की प्रजातियां पाई गई हैं। इनमें छह गिद्ध, सात उल्लू, छह चील सहित अन्य छोटी प्रजातियां शामिल हैं। सर्दी क्षेत्रों में किए गए लगभग सभी सर्वेक्षण वाले जिलों में काली चील और सफेद गिद्ध पाए गए। वहीं, अच्छे कृषि आंकड़ा वाले जिलों में काले पंखों वाली चील देखने को मिल